सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति' का दिखा असर

छोटे जिलों में भी बढ़ने लगे उद्योग-कारोबार

राज्य मुख्यालय | अजित खरे

उद्यमियों के लिए अपना कारोबार शुरू करना अब यूपी के पिछड़े इलाकों में अपेक्षाकृत आसान हो रहा है। यह छोटे जिले पूर्वांचल व बुंदेलखंड जैसे पिछड़े वाले इलाकों में हैं लेकिन अब यहां औद्योगिक निवेश की राह खुल रही है। इसीलिए कारोबारी सुगमता यानी ईज आफ डूइंग बिजनेस की कसौटी पर इन जिलों का परफार्मेंस बेहतर हुआ है। इसके विपरीत उन जिलों की स्थिति पहले से खराब हुई है, जहां पहले से ही काफी उद्योग लगे हैं।

औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जारी जिलों की हर महीने रैंकिंग कुल प्राप्त आवेदन, उनका तय समय में निस्तारण, शिकायतों का निस्तारण व निवेशकों के फीडबैक के आधार पर तय होती है। सबसे खास बात यह है कि 'ए' श्रेणी के 40 जिलों में देवरिया दूसरे स्थान पर व प्रयागराज सातवें स्थान पर है। जबकि 'बी' श्रेणी के 35 जिले में टाप फोर जिले कौशाम्बी, श्रावस्ती, कुशीनगर सिद्धाथनगर तो पूर्वांचल के ही हैं। लाइसेंस, परमिट व एनओसी तय समय में मिलने पर निवेशक की संतुष्टि का फीडबैक मिला है।

जिलों की अक्तूबर की परफार्मेंस

जिला	आवेदन	निस्तारण
देवरिया	2031	93.21
प्रयागराज	4964	85.97
वाराणसी	5944	79.81
हरदोई	3258	84.83
सीतापुर	2354	83.14
बाराबंकी	2817	81.97
कानपुर देहात	2313	79.55
अमेठी	1158	81.43
बांदा	946	80.34
कुशीनगर	1079	90.27

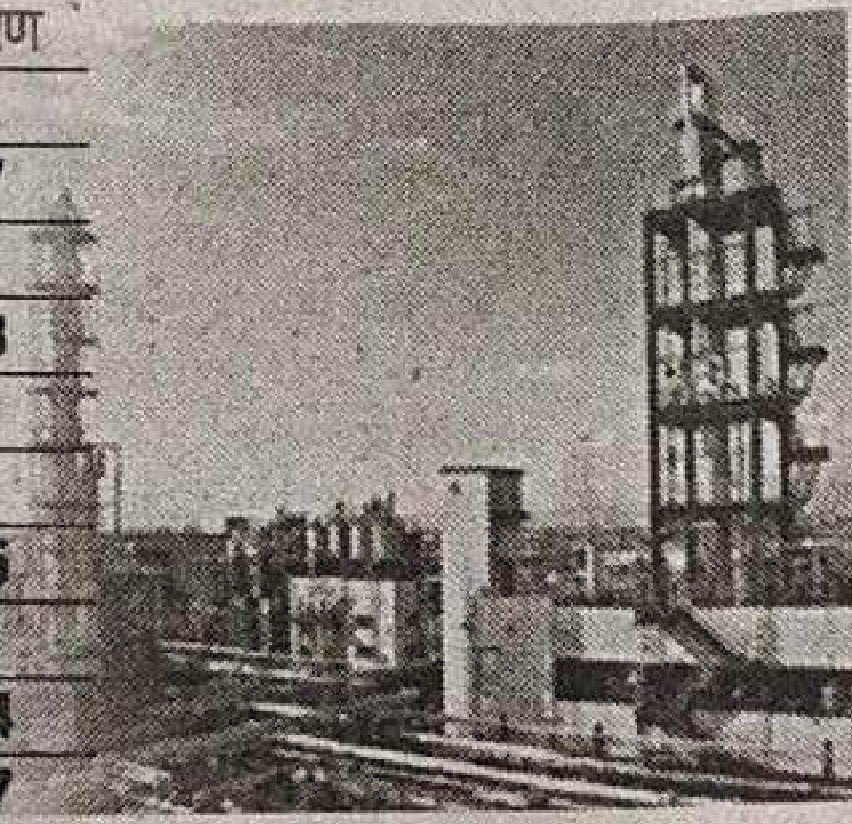

छोटे शहरों में उद्योग

- खलीलाबाद में गंगोत्री शक्ति नें 4.50 करोड़ से मिनरल वाटर प्लांट लगाया है।
- देवरिया में साईकृपा राइस मिल ने 90 करोड़ का प्लांट लगाया है।
- पूर्वांचल एग्रो ने गोरखपुर में मुर्गी पालन यूनिट लगाई है।
- देवरिया में इसी कंपनी ने 2000 करोड़ का प्रोजेक्ट लग रहा है।
- वाराणसी में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सेक्टर में 1050 करोड़ का निवेश यहां चार सौ को रोजगार मिलेगा।
- कानपुर देहात में एचएल एग्रो 400 करोड़ की लागत से प्लांट लग रहा है।
- बलरामपुर में टेक्सटाइल क्षेत्र में सेलेस्टो यार्न ने 970 करोड़ का निवेश किया है।
- प्रयागराज में अल्ट्रटेक सीमेंट की ओर से 600 करोड़ रुपये से निवेश किया गया है।
- बाराबंकी में एमएम फ्रोजिंग कंपनी निवेश कर रही है। हरदोई में 325 करोड़ रुपये से डीसीएम डिस्टलरी लगाई गई है।
- लखीमपुर खीरी में 200 करोड़ से डिस्टलरी लगाई गई है।